पृथ्वीपुर अभ्युदय समिति, लखनऊ का वार्षिक समारोह- 2022

पृथ्वीपुर अभ्युदय समिति का वार्षिक समारोह 17 अप्रैल 2022 को सरकारी प्राथमिक विद्यालय पृथ्वीपुर कुशीनगर में आयोजित हुआ | समारोह की अध्यक्षता डॉ. वेद प्रकाश पाण्डेय ने की | इस समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. रामचेत चौधरी, विशिष्ठ अतिथि डॉ. सीबी सिंह, श्री सुधीर शाही, डॉ. सुमन सिन्हा उपस्थित रहें |

समारोह की शुरुआत राष्ट्रगान एवं तत्पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रम से हुआ | इस समारोह में ग्रामीण युवाओं को रोजगार एवं ग्रामीण विकास की चुनौतियों पर चर्चा हुई | साथ ही साथ समारोह में पृथ्वीपुर सम्मान दिए गए | जिनमें

श्री सुरेन्द्र शर्मा जी को अस्पतालों में निःशुल्क भोजन वितरण के लिए **"राजदेव सिंह दूरदर्शिता सम्मान"**, दिया गया |

श्रीमती पुष्पावती देवी ग्रामीण रोजगार के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान के लिए **"मौलश्री देवी गंगा गौरवी सम्मान"**, दिया गया |

श्री आदित्य कुमार पटेल के युवा नवाचारी किसान एवं प्रेरक के रूप में कार्य करने हेतु **"विक्रम सिंह कर्मठता सम्मान"**, दिया गया |

श्रीलालजी कुशवाहा के नवाचारी किसान एवं प्रेरक के रूप में कार्य करने हेतु **"विक्रम सिंह कर्मठता सम्मान"**, दिया गया |

सुश्री सीमा कुशवाहा को समाज के वंचित तबकों के उत्थान करने हेतु **"पृथ्वीपुर तेजस्विता सम्मान"**, दिया गया |

श्री मनोज कुमार सिंह तथा श्री राजीव दत्त पाण्डेय जी को ग्रामीण पत्रकारिता में महत्वपूर्ण योगदान के लिए **"ग्रामीण पत्रकारिता सम्मान"**, दिया गया |

इसके अतिरिक्त 20 छात्र-छात्राओं को भागीदारी छात्रवृत्ति के तहत रुपये 1000-4000 तक के चेक वितरित किया गया |

इस समारोह के मुख्य अतिथि गोरखपुर विश्वविध्यालय से सेवानिवृत डॉ. रामचेत चौधरी ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए बताया की ग्रामीण क्षेत्र की मिट्टी और जलवायु परिवर्तन को ध्यान में रखकर बासमती और काला नमक की जैविक खेती लाभदायक होगी | उन्होंने इसकी विस्तृत जानकारी साझा की और सरकार की कृषि योजनाओं के बारे में ग्रामीणों और किसानों को बताया |

डॉ. सुमन कुमार सिन्हा ने मछली पालन के बारे में बताया और उसको कृषि के साथ जोड़कर कैसे मुनाफा कमाया जा सकता है, उसके बारे में विस्तार से चर्चा की | डा० सी. बी. सिंह सेंगर और श्री सुधीर शाही ने शिक्षा और जैविक खेती में किए जा रहे अपने कार्यो को सबके साथ साझा किया | सेवानिवृत जज राजिनंदन राय जी ने समिति के ग्रामीणों और ग्रामीण युवाओं के प्रति किये जा रहे कार्यो की सराहना की | प्रगतिशील किसान श्री पारसनाथ सिंह जी ने खेती के क्षेत्र में किये गए अपने प्रयासों और सफलताओं के अनुभव भी साझा किये |

अंत में कार्यक्रम का आयोजन कर रहे डॉ. राणा प्रताप सिंह जी ने उपस्थित मुख्य अतिथि, विशिष्ठ अतिथि, किसान भाइयों, ग्रामीणों और युवाओ का समारोह में आने के लिए धन्यवाद और आभार व्यक्त किया |

समारोह | पृथ्वीपुर अभ्युदय समिति का प्रा. विद्यालय में वार्षिक समारोह, मिट्टी, जलवायु का लाभ लेकर किसान हासिल कर सकते हैं ज्यादा लाभ

किसान हुए सम्मानित, मेधावियों को मिली फेलोशिप

आयोजन

रविवार को संगोष्ठी व सम्मान समारोह में सम्मानित होती ग्रामीण क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाली महिला।

दुदही, हिन्दुस्तान संवाद।

पृथ्वीपुरअभ्युदय समिति के तत्वावधान में शनिवार को प्राथमिक विद्यालय पृथ्वीपुर परिसर में संगोष्ठी व सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान प्रत्येक क्षेत्र में बेहतर कार्य करने वाले लोगों का सम्मानित करने के साथ मेधावी छात्रों को फेलोशिप दिया गया।

दुदही ब्लॉक के पृथ्वीपुर स्थित प्राथमिक विद्यालय परिसर में ग्रामीण विकास की चुनौतियां तथा युवाओं को रोजगार विषय पर आयोजित संगोष्ठी को संबोधित करते हुये मुख्य अतिथि डॉ रामचेत चौधरी ने मिट्टी तथा जलवायु के महेनजर बासमती चावल तथा काला नमक के ऑर्गेनिक खेती करने पर जोर दिया। उन्होंने सरकार द्वारा खेती के लिए किए जा रहे प्रयासों के बारे में जानकारी दी।

डॉ सुमन सिन्हा ने मछली पालन को खेती से जोड़कर उसके विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की। राजिनन्दन राय ने समिति के बेहतर कार्यों के लिए आभार व्यक्त किया।

प्रगतिशील किसान पारसनाथ सिंह ने खेती के क्षेत्र में अपने अनुभव को साझा किया। प्रकृति प्रेमी सुधीर सिंह ने कहा कि प्राकृतिक संपदाओं का संरक्षण मनुष्य का परम दायित्व है। उन्होंने विभिन्न देशों के भ्रमण के दौरान कृषि अनुभवों को साझा किया। वरिष्ठ पत्रकार मनोज सिंह, आरडी पांडेय, सामाजिक कार्यकर्ता सुरेंद्र शर्मा, पुष्पावती देवी, सीमा कुशवाहा, किसान लालजी कुशवाहा को उल्लेखनीय कार्यों के लिए प्रशस्ति पत्र तथा अंग वस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

इसके साथ ही इलाके के दर्जनभर मेधावी छात्रों को फेलोशिप प्रदान किया गया। अध्यक्षता डॉ सीबी सिंह ने की। आयोजक भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ राणा प्रताप सिंह ने आभार व्यक्त किया। इस दौरान रणजीत सिंह, गोविंद मिश्रा, आरती गुप्ता, संतोष कुशवाहा आदि उपस्थित रहे।

मिट्टी और जलवायु का सदुपयोग करें किसान

किसान संगोष्ठी एव विभिन्न क्षेत्र में सामाजिक कार्य किए व्यक्तियों का हुआ सम्मान

पडरौना/गौरी श्रीराम (एसएनबी) । पृथ्वीपुर अभ्युदय समिति के बैनर तले दुदही क्षेत्र के पृथ्वीपुर गाँव मे आयोजित संगोष्ठी तथा सम्मान समारोह में बतौर मुख्य अतिथि वैज्ञानिक डा. रामचेत चौधरी ने जुटे लोगों से अपने ग्रामीण क्षेत्र की सम्पन्न मिट्टी और जलवायु का सदुपयोग करने की अपील की। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में अच्छा कार्य करने वाले ग्रामीण क्षेत्र के कई लोगों को सम्मानित भी किया गया।

प्राथमिक विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में ग्रामीण विकास की चुनौतियां तथा युवाओं को रोजगार विषय पर संगोष्ठी का आयोजन हुआ। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डा. चौधरी ने ग्रामीण क्षेत्र की संपन्न मिट्टी तथा जलवायु की चर्चा की। साथ ही उन्होंने बासमती चावल की खेती के लिए कृषि से जुड़ी जानकारियों को सामने रखा। बतौर विशिष्ट अतिथि मत्स्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी डा. सुमन सिन्हा ने मछली पालन को खेती किसानी से जोड़कर उसके विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की। रिटायर्ड जज राजिनन्दन राय ने समिति के बेहतर कार्यों के लिए समिति को साधुवाद दिया। प्रगतिशील किसान पारसनाथ सिंह ने खेती के क्षेत्र में अपने अनुभवों को साझा किया। सुधीर शाही ने विभिन्न देशों के अपने भ्रमण के दौरान कृषि अनुभवों को साझा किया। कार्यक्रम के दौरान किसान लालजी कुशवाहा, गोरखपुर के वरिष्ठ पत्रकार मनोज सिंह, वरिष्ठ पत्रकार राजीव दत्त पांडेय, सामाजिक कार्यकर्ता सुरेंद्र शर्मा, पुष्पावती देवी तथा सीमा कुशवाहा को भी अपने-अपने क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों के लिए प्रशस्ति पत्र तथा अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया । इसके साथ ही समिति की तरफ से इलाके के दर्जनभर मेधावी छात्रों को फेलोशिप की राशि भी प्रदान की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे डा. सी बी सिंह ने इन कार्यों की सराहना की। कार्यक्रम के अन्त में आयोजक प्रो सिंह ने सभी आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस दौरान रणजीत सिंह, गोविंद मिश्रा, आरती गुप्ता, अविनाश जायसवाल, सौरभ मिश्रा उपस्थित रहे।

प्रगतिशील किसान लालजी कुशवाहा व सामाजिक कार्यकर्ता सुरेंद्र शर्मा सम्मान प्राप्त करते।

'वैज्ञानिक तरीके से खेती करने से बढ़ेगी आय'

संवाद न्यूज एजेंसी

गौरी श्रीराम। क्षेत्र के पृथ्वीपुर गांव स्थित प्राथमिक विद्यालय परिसर में अभ्युदया समिति की तरफ से किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया।

किसानों को वैज्ञानिक तरीके से खेती करने के लिए प्रेरित कर सरकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। इसके बाद प्रगतिशील किसान और मेधावी छात्रों को सम्मानित किय गया।

मुख्य अतिथि डॉ. रामचेत चौधरी ने कहा कि काला नमक समेत फसलों की खेती के आर्गेनिक खेती के लिए सरकार की तरफ से कई योजनाए संचालित की जा रही है। किसानों को इसका लाभ लेना चाहिए। डॉ. सुमन

गौरी श्रीराम के पृथ्वीपुर में किसान गोष्ठी का आयोजन

सिन्हा ने किसानों को मछली पालन के बारे में विस्तार से बताया। गोष्ठी को रिटायर्ड जज राजिनंदन राय, प्रगतिशील किसान पारसनाथ सिंह, सुधीर सिंह आदि ने संबोधित किया। इसके बाद संगठन की तरफ से लालजी कुशवाहा, मनोज सिंह, राजीव दत्त पांडेय, सुरेंद्र शर्मा, पुष्पावती देवी, सीमा कुशवाहा को क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों के लिए प्रशस्ति पत्र तथा अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया। अध्यक्षता डॉ. सीबी सिंह ने की। इस दौरान प्रोफेसर डॉ. राणा प्रताप सिंह, रणजीत सिंह, गोविंद मिश्रा ,आरती गुप्ता, संतोष कुशवाहा मौजूद रहे।

विकास की चुनौतियों व रोजगार पर हुई चर्चा

जासं, गौरीश्रीराम : दुदही विकास खंड के पृथ्वीपुर गाँव में पृथ्वीपुर अभ्युदय समिति के तत्वावधान में ग्रामीण विकास की चुनौतियां तथा युवाओं को रोजगार विषय पर आयोजित संगोष्ठी अपने-अपने क्षेत्र में बेहतर कार्य करने वाले लोगों को सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि डीडीयू गोरखपुर विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त प्रो. डा. रामचेत चौधरी ने ग्रामीण क्षेत्र की मिट्टी तथा जलवायु के महेनजर बासमती चावल की खेती के लिए कृषि से जुड़ी जानकारियां दी। उन्होंने कालानमक धान की आर्गेनिक खेती तथा सरकारी प्रोत्साहन की जानकारी दी। डा. सुमन सिन्हा ने मछली पालन के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से बताया। सेवानिवृत्त जज राजिनन्दन राय ने समिति के बेहतर कार्यों के लिए साधुवाद दिया। प्रगतिशील किसान पारसनाथ सिंह ने अपने अनुभव को साझा किया। प्रकृति प्रेमी सुधीर सिंह ने कहा कि प्राकृतिक संपदा का संरक्षण मनुष्य का दायित्व है। उन्होंने विभिन्न देशों के अपने भ्रमण के दौरान प्राप्त अनुभवों को साझा किया। किसान लालजी कुशवाहा, मनोज सिंह, राजीव दत्त पांडेय, सामाजिक कार्यकर्ता सुरेंद्र शर्मा, पुष्पावती देवी, सीमा कुशवाहा को उल्लेखनीय कार्यों के लिए प्रशस्ति पत्र तथा अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। बारह मेधावी छात्रों को फेलोशिप प्रदान की गई। अध्यक्षता कर रहे डा. सीबी सिंह ने समिति के कार्यों की सराहना करते हुए आयोजक भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय के प्रो. डा. राणा प्रताप सिंह की प्रशंसा की। आयोजक ने आभार व्यक्त किया। रणजीत सिंह, गोविंद मिश्र, आरती गुप्ता आदि लोग उपस्थित रहे।

पृथ्वीपुर अभ्युदय समिति, लखनऊ का वार्षिक समारोह- 2019

17 नवम्बर, 2019 को पृथ्वीपुर- गौरिश्रीराम पुराना शिव मंदिर, दुदही (कुशीनगर) के प्रांगण में पृथ्वीपुर अभ्युदय समिति , लखनऊ का वार्षिक समारोह संपन्न हुआ I समारोह की शुरुआत सरस्वती वंदना एवं दीप प्रजवलन से की गयी I कुमारी लक्ष्मी भारती नें स्वागत गीत प्रस्तुत किया I इस समारोह में पृथ्वीपुर सम्मान, शिक्षा सहयोग, विचारगोष्ठी, कम्बल/मच्छरदानी वितरण एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया I इस समारोह के मुख्य अतिथि श्री नन्द किशोर गुप्ता, अवकाशप्राप्त पी. सी. एस. झारखण्ड एवं अध्यक्ष, डॉ वेद प्रकाश पाण्डेय, पूर्व प्राचार्य, किसान पी . जी . कॉलेज, सेवरही थे I इस विचार गोष्ठी में किसानी, छोटे व्यापार एवं ग्रामीण शिक्षा की समस्याओं पर चर्चा हुई I समारोह में प्रोफेसर राणा प्रताप सिंह, डॉ चतुर्भुज सिंह, श्री सोनी- दुदही थानाध्यक्ष, श्री उपेन्द्र सिंह, श्री संतोष कुमार ने ग्रामीण विकास पर अपना संबोधन ग्रामीणों के उत्साह वर्धन के लिए किया I

श्री नितीश सिंह सेंगर, प्रधानाचार्य, श्री तेज प्रताप सिंह, सहायक अध्यापक, डॉ. राम लखन सिंह गौतम, सहायक अध्यापक ,प्राथमिक विदयालय, पृथ्वीपुर को शिक्षा के क्षेत्र में , श्री हरिगोपाल मिश्र श्री कामाख्या नारायण को **श्री सुनील कुमार गुप्ता, श्री अभिनाश जैसवाल, श्री हेमंत कुमार, श्री सुजीत कुमार गुप्ता, श्री भरत कुशवाहा , श्री रमा शंकर सिंह, श्री सुनील कुमार गुप्ता को ग्रामीण पत्रकारिता के क्षेत्र में, प्रगतिशील किसान श्री छोटे लाल कुशवाहा , श्री हरिगोविन्द मिश्र , श्री वीरेन्द्र कुशवाहा एवं वरिस्थ स्थानीय नागरिक** सर्वश्री वलिस्टर सिंह, बंका सिंह, गणेश मिश्रा भगवन कुशवाहा रमा शंकर मिश्रा, अम्बिका कुशवाहा, हरि नंदन सिंह, गुलाब पासवान को सम्मानित किया गया

छात्रों, शक्षकों, स्थानीय लोगो के साथ साथ क्षेत्रीय पत्रकारों नें गोष्ठी में स क्रय भागीदारी दिखाई I चयनित स्थानीय लोगो एवं पत्रकारों को भी उनके अच्छे कार्यो के लए सम्मानित कया गया I स्थानीय छात्रों द्वारा 'अनपद्र कसान' नाटक प्रस्तुत कया गया

कुशीनगर जागरण

गांव में छिपी प्रतिभाओं की पहचान जरूरी : नंदकिशोर

शिक्षित किसान ही जला सकता है गांव में विकास की

जागरण, संवाददाता, दुदही: कुशीनगर: आजकल गांव उपेक्षा के शिकार हो गये हैं। शिक्षित किसान ही गांव में विकास की लौ जला सकते हैं। समग्र उत्थान के लिए गांव की छिपी प्रतिभा की पहचान कर उन्हें आगे बढ़ाने, सम्मानित करने के लिए हम सभी को आगे आना होगा। किसान को ही केंद्र बिंदु में रखना होगा।

यह बातें रिटायर्ड पीसीएस अधिकारी नंदकिशोर गुप्ता ने रविवार को कही। वहीं मुख्य अतिथि पृथ्वीपुर शिवमंदिर पर में समावेशी विकास की ग्रामीण योजना की तृतीय सामाजिक एवं आर्थिक विकास गोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। विशिष्ट अतिथि डॉ. एस एन ने कहा कि मनुष्य में कठिन से कठिन कार्य करने की क्षमता है। भविष्य निर्धारित कर मनुष्य कर्म करे सफलता निश्चित ही मिलेगी। सुधीर शाही ने कहा कि खेती सबसे रोजगार है। अमूमन लोग नौकरी को सबसे अधिक महत्व देते हैं, लेकिन उनकी विचारधारा गलत है। कृषि से देश और व्यक्ति की पहचान होती है। खेती में अपार संभावनाएं हैं। रौशन एहतेशाम ने कहा कि मनोयोग से कर्म करने की आवश्यकता है। अध्यक्षता कर रहे पूर्व प्राचार्य डा. वेद प्रकाश पाण्डेय ने कहा कि आज हमारी संस्कृति का लोप हो रहा है। महिलाओं को खेती आदि कार्यों में अधिक से अधिक सहभागिता सुनिश्चित कराने पर जोर दिया। अंत में कहार जन विज्ञान की बा एवं समावेशी विकास क की दो पुस्तकों का वि पृथ्वीपुर अभ्युदय स शिक्षक आदि को सम्म संचालन गोष्ठी के अ प्रताप सिंह ने की। श सोनी, मीरा, हरि सुदामा कुशवाहा, भ सिंह, बद्रीनाथनाथ मौर्य आदि मौजूद र

गोष्ठी में मंचासीन अतिथिगण • जागरण

01 September, 2019

ग्राम मँझरिया में समावेशी वकास की ग्रामीण पहल कार्यक्रम के तहत, फाउंडेशन द्वारा एक स्वास्थ एवं स्वच्छता गोष्ठी एवं मच्छरदानी वतरण का आयोजन कया गया। इसकी प्रेरणा एवं मुख्य आयोजन लखनऊ से आये प्रोफेसर राणा प्रताप संह, संतोष कुशवाहा, गुड्डु कुशवाहा एवं अजय पांडेय ने कया।डॉ ए। के पाण्डेय, दुदही,सुदामा कुशवाहा, गौरीश्रीराम एवं श्री मौर्य दुलमआ पट्टी और मुन्ना शाही जी ने भे सभा को संबो धत कया।मुसहर महिलाओं ने गीत गाकर कार्यक्रम की शुरुआत की।

बीमारियों से बचाव के लिए करें मच्छरदानी का प्रयोग

जागरण संवाददाता, बनौली, कुशीनगर : स्वच्छता मिशन की सफलता हमारे जीवन की सुरक्षा है। इसलिए साफ-सफाई का ध्यान हमें स्वयं करना चाहिए। संक्रामक बीमारियों से बचाव के लिए मच्छरदानी का प्रयोग जरूरी है।

यह बातें रविवार को दुद्ही विकास खंड के ग्राम पंचायत मंझरिया मुसहर बस्ती के लोगों के बीच समावेशी विकास की ग्रामीण पहल के अंतर्गत मच्छरदानी वितरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए लखनऊ से आए प्रो. राणा प्रताप सिंह ने कही। कहा कि संक्रामक बीमारियों के शिकार अधिकांश गरीब परिवार के लोग होते हैं, क्योंकि उनके पास संसाधन की कमी होती है। दुद्ही सीएचसी केंद्र के प्रभारी डा. एके पांडेय ने कहा कि संक्रामक बीमारियों के फैलने का कारण अशिक्षा है। कार्यक्रम को विश्व हिंदू परिषद के जिलाध्यक्ष दिग्विजय किशोर शाही, सुदामा कुशवाहा, मिश्री सिंह, संतोष कुशवाहा, मुन्ना कुशवाहा आदि ने संबोधित किया। लगभग 100 मुसहर परिवारों में मच्छरदानी का वितरण किया गया। इंद्रदेव कुशवाहा, घनश्याम तिवारी, अशोक, पप्पू आदि मौजूद रहे।

मुसहर महिला को मच्छरदानी देते दुद्ही सीएचसी प्रभारी डा. एके पांडेय ● जागरण

खुले में बेची जा रही मीट व मछली: सुकरौली बाजार : प्रदेश सरकार जहां अवैध बूचड़खानों को बंद करने का निर्देश दे रखा है वहीं जिम्मेदार इस अभियान को पलीता लगाने में जुटे हैं। क्षेत्र के कई जगहों पर खुलेआम मांस व मछली की बिक्री हो रही है जबकि बिना लाइसेंस के खुले आम मांस व मछली की बिक्री प्रतिबंधित है। इन दुकानदारों द्वारा मांस व मछली की बिक्री करने के बाद अपशिष्ट वैसे ही छोड़ दिया जाता है जिससे दुर्गंध तो आती ही रहती है साथ में इनके द्वारा संक्रामक बीमारियों को खुलेआम निमंत्रण भी दिया जा रहा है। स्थानीय बाजार में तो साप्ताहिक बाजार सहित हाइवे के फोरलेन के सर्विस रोड व नहर के किनारे खुले में ही मांस व मछली की बिक्री की जाती है।

18th August, 2018

One rural center was established at Manjharia (Kushinagar) on 18th August, 2018. Tree plantation were done by the members of PHSS Foundation and resident of Manjharia on 15th August, 2018 in surrounded area of village.

10th April, 2018

10th December, 2017

3rd Center under Samaveshi Vikas ki Gramin Pahal Abhiyaan was inaugurated on 10th December, 2017 at Rampur Bakharia, Khurhat (Mau) in collaboration with PAS, PHSS Foundation and Geeta Educational Society, Dasbaari.

मऊ | आज का दिन 1901 में मारकोनी ने पहला वायरलेस संदेश कॉर्नवॉल (ब्रिटेन) से

खेती-बाड़ी के जानकारों से रुबरु हुए अन्नदाता, जाना रासायनिक उर्वरकों का नुकसान

जैविक खाद से मिट्टी होगी उपजाऊ

किसान गोष्ठी

खुरहट | हिन्दुस्तान संवाद

अधिक पैदावार प्राप्त करने के लिए किसान खेतों में रासायनिक उर्वरकों का उपयोग करते हैं। एक फसल में जितना रासायनिक खाद डालेंगे, दूसरी में उतनी ही पैदावार प्राप्त करने के लिए किसानों को सवा गुना खाद डालनी होगी। ऐसे में दिन प्रतिदिन खेतों के मिट्टी की उर्वरा शक्ति का दोहन होता जा रहा है। किसान बंधु जैविक खाद से खेती करके भी बेहतर उत्पादन प्राप्त कर सकते हैं और मिट्टी की जान भी बची रहेगी। यह कहना है बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर केंद्रिय विश्वविद्यालय लखनऊ के पर्यावरण विज्ञान के डीन डा.राणा प्रताप सिंह का। वह गीता एजुकेशनल सोसाइटी द्वारा क्षेत्र के दशबारी स्थित राष्ट्र गौरव अध्ययन केंद्र के सभागार में रविवार को जैम आयोजित किसान संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे।

मूंगफली शोध संस्थान जूनागढ़ एवं गन्ना शोध संस्थान लखनऊ के पूर्व वैज्ञानिक डा.आरएस द्विवेदी ने कहा कि इस्टीविया की खेती गन्ने से ज्यादा फायदेमंद है। इसमें गन्ने से 450 गुना अधिक मिठास है और कीमत उससे दोगुना अधिक मिलेगी। आजमगढ़ के कृषि वैज्ञानिक डा. रुद्र प्रताप सिंह ने केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा जैविक कृषि से संबंधित योजनाओं की जानकारी दी। कहा कि किसान जानकारी के अभाव में रासायनिक उर्वरकों का सर्वाधिक प्रयोग कर मिट्टी के उपजाऊ तत्वों को नष्ट कर दे रहे हैं। उन्होंने सरकार द्वारा जारी टोल फ्री नंबर 18001801551 पर किसानों को खेती से संबंधित समस्याओं के निदान के लिए कॉल करने को प्रेरित किया। कहा कि इस किसान कॉल सेंटर पर संपर्क कर पार्मर पोर्टल पर भी रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं। इसका फायदा यह होगा कि जब कभी मौसम बदलेगा तो फसलों को बचाने का उपाय किसानों के मोबाइल पर मैसेज के जरिए आ जाएगा। मुहम्मदाबाद गोहना के वन क्षेत्राधिकारी ओमप्रकाश सिंह ने खेतों की मेड़ों पर सागौन व यूकेलिप्टस का पौध लगाकर आय बढ़ाने का आह्वान किया। कहा कि यह पौधे विभाग की नर्सरियों पर प्रति पौध सात रुपये में उपलब्ध हैं। इसके साथ ही उन्होंने छोटे-छोटे रकबों में कई जगह बिखरे खेतों के एकत्रिकरण पर जोर दिया। कहा कि वैज्ञानिकों व सरकार के नुमाइंदों के माध्यम से यह बात ऊपर तक जानी चाहिए, ताकि सरकार कोई योजना बना सके। जैविक विधि से गन्ना, मिर्च, सब्जी आदि की खेती कर अच्छी आय प्राप्त कर रहे क्षेत्र के दर्जन भर किसानों को शाल व स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। सम्मान पाने वाले किसानों में रामकिशुन चौहान, रामशब्द यादव, शंकर राम, फूलता देवी, विनय कुमार आदि शामिल थे। डाक्टर प्राचार्य राजीव रंजन मिश्र, प्रशिक्षक अरविंद पांडेय, चंद्रधर राय, राजेंद्र राय, ग्राम प्रधान बृज नारायण दूबे व सुनील यादव ने भी किसानों से अपना अनुभवन साझा किया। गीतकार राजू राव ने गीत के माध्यम से लोगों के जागरूक किया। संगोष्ठी की अध्यक्षता सेवानिवृत्त वन दारोगा रामाराम यादव व संचालन विनीत कुमार ने की।

01st October, 2017

26-27th August, 2016

1. **Village Awareness Programmes & Kishan Gosthis at Kushinagar, Block Dudahi & Padrauna**

(i) There was a public meeting at village Kataura, Block Dudahi, Distt Kushinagar on 27th Aug, 2016 in which landless and small/marginal farm holding villagers interacted with experts and activists of 3 NGOs, PHSS Foundation, Lucknow, Vivekanad Yuva kalyan kendra, Padrauna, & Prithvipur Abhyuday Samiti, Lucknow. The villagers shared their problems with the visiting team and they were motivated by us to evolve a village samiti to deliberate, plan and manage the problems involving experts, activists and district administration. We encouraged a lot with their response and motivational level.

(ii) There was a public meeting at village Bindwalia (Mushar tola) Block Padrauna, Distt kushinagar on 26 Aug,2016 in which landless and small/marginal farm holding villagers interacted with experts and activists of 3 NGOs, PHSS Foundation, Lucknow, Vivekanad Yuva kalyan kendra, Padrauna,& Prithvipur Abhyuday Samiti, Lucknow. The villagers shared their problems with the visiting team and they were motivated by us to evolve a village samiti to deliberate, plan and manage the problems involving experts, activists and district administration. About 70% active participants were women of

a tribal community, named Mushar and located in Uttar Pradesh in Kushinagar District, in addition to Bihar and other eastern states of India. We encouraged a lot with their response and organizational skills.